भोपाल से प्रकाशित रंगमंच, संस्कृति, साहित्य का प्रतिनिधि पत्र

साप्ताहिक

RNI No. MPHIN/2019/78271

रंग संस्कृति

सम्पादक - यतीन्द्र अत्रे

वर्ष -5 | अंक -38 | भोपाल, शनिवार 20 से 26 जनवरी 2024 | पृ.सं.-8 | मूल्य-5 रूपये

रामलला रहेंगे दिव्य मंदिर में, यह क्षण अलौकिक

अयोध्या के भव्य राम मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद पीएम मोदी ने देश और नगर की जनता को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि कहने को तो कितना कुछ है, लेकिन गला जाम हो गया है। पीएम ने इस शुभ घड़ी की देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि वह गर्भगृह में ऐश्वर्य चेतना का साक्षी बनकर सबके सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि अब रामलला टेंट में नहीं रहेंगे, वे अब दिव्य मंदिर में रहेंगे। पीएम मोदी ने विश्वास जताया कि जो घटित हुआ, उसकी अनुभूति देश और दुनिया के कोने-कोने में रामभक्तों को हो रही होगी। यह क्षण अलौकिक है। यह माहौल, यह घड़ी हम सब पर प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हजार साल बाद भी लोग आज की इस तारीख और इस पल को याद रखेंगे। लोग हजारों साल बाद भी इस पल की चर्चा करेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि ये राम की ये कितनी बड़ी कृपा है कि हम सब इस पल को जी रहे हैं और इसे साक्षात घटित होते देख रहे हैं। इसके साथ ही देश के प्रधानमंत्री ने कहा कि वह भगवान राम से क्षमा याचना करते हैं, क्यों कि हमारे पुरुषार्थ, त्याग, तपस्या में कुछ तो कमी रह गई होगी कि इतनी सदियों तक यह कार्य नहीं किया जा सका। लेकिन आज वह कमी पूरी हुई है। पीएम ने विश्वास जताया कि भगवान राम हमें अवश्य क्षमा करेंगे।

पीएम मोदी ने कहा- मैं पूरी निष्ठा से विश्वास करता हूं कि जो कुछ हुआ है, उसका अनुभव देश और दुनिया के हर कोने में भगवान राम के भक्तों को होगा। यह क्षण अलौकिक है. यह समय सबसे पवित्र है. ये माहौल, ये ऊर्जा, ये पल... प्रभु श्री राम का आशीर्वाद है।'

अयोध्या को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हम बहुत सौभाग्यशाली हैं, जो रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा पर मौजूद हैं। यह समय सामान्य समय नहीं है। यह काल के कपाल पर अमिट स्मृति रेखाएं हैं. सभी जानते हैं कि जहां राम का काम होता है, वहां पवनपुत्र हनुमान जरूर विराजमान होते हैं। इसलिए वह रामभक्त हनुमान और हनुमानगढ़ी को प्रणाम करते हैं।

गुलामी की मानसिकता को तोड़कर खड़ा हुआ राष्ट्र

पीएम मोदी ने कहा, 'राम मंदिर के निर्माण के बाद से देशवासियों में नया उत्साह पैदा हो रहा था। हमें सदियों की धरोहर मिली है, श्रीराम का मंदिर मिला है। गुलामी की मानसिकता को तोड़कर उठ खड़ा होता राष्ट्र ऐसे ही नवइतिहास का सृजन करता है। श्रीराम की कितनी बड़ी कृपा है कि हम सब इस पल को घटित होते देख रहे हैं।'

अयोध्या ने सैकड़ों सालों का वियोग सहा

पीएम मोदी ने कहा कि आज हमें सदियों के उस धैर्य की धरोहर मिली है, आज हमें श्रीराम का मंदिर मिला है। पीएम ने कहा कि भगवना का आगमन देखकर ही सभी अयोध्यावासी और देशवासी हर्ष से भर गए हैं। लंबे वियोग से जो विपत्ति आई थी, उसका अंत हो गया। पीएम ने कहा कि उस समय तो राम से वियोग सिर्फ 14 सालों का था, तब भी सहन करने योग्य नहीं था। इस युग में तो अयोध्या और देशवासियों ने सैकड़ों सालों का वियोग सहा है। हमारी कई-कई पीढ़ियों ने वियोग सहा है। मोदी ने कहा कि राम को हर युग के लोगों ने जिया है। लोगों ने हर युग में अपने-अपने शब्दों में अपनी तरह से राम को अभिव्यक्त किया है। यह राम रस जीवन प्रवाह की तरह निरंतर बहता रहता है। पीएम ने कहा कि आज देश में निराशा के लिए बिल्कुल भी जगह नहीं है।

राम नेति भी और नीति भी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राम भारत की आस्था हैं, भारत का आधार हैं, भारत का विचार हैं, भारत का विधान हैं,भारत की चेतना हैं, भारत का चिंतन हैं, भारत की प्रतिष्ठा हैं, भारत का प्रताप हैं, प्रभाव हैं, प्रवाह हैं, नेति भी हैं और राम नीति भी हैं. पीएम ने कहा कि राम नित्यता भी हैं और निरंतरता भी हैं, राम व्यापक हैं, विश्व हैं, विश्वात्मा हैं, इसलिए जब राम की प्रतिष्ठा होती है तो उसका प्रभाव शताब्दियों तक नहीं होता उसका प्रभाव हजारों सालों तक होता है।

साभार - ndtv.in

श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा का दिन सांस्कृतिक अनुष्ठान का दिन है

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भगवान श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पुनीत दिवस का आरंभ तुलसी मानस प्रतिष्ठान स्थित श्री सिद्ध रघुनाथ मंदिर में साफ-सफाई तथा सेवा करने के बाद पूजा-अर्चना के साथ किया। मानस प्रतिष्ठान के संयोजक श्री रघुनंदन शर्मा तथा अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मानस प्रतिष्ठान में मीडिया के साथियों से चर्चा में कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हो रहे भगवान श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से भारतवंशी उत्साह में हैं। देश के साथ-साथ संपूर्ण विश्व का वातावरण राममय हो गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत के लिए यह दिन बहुत सौभाग्य का दिन है। भगवान श्रीराम अयोध्या में भव्य और दिव्य गृह में प्रवेश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के माध्यम से देश एक नए सांस्कृतिक अनुष्ठान की, एक नए पर्व की अंगड़ाई ले रहा है। इसके बाद अयोध्या में मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्राण प्रतिष्ठा के दिव्य पलों का साक्षी बनने के लिए राम राजा मंदिर ओरछा में उपस्थित रहे।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल 24 जनवरी को करेंगे वन मेले का शुभारंभ

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल 24 जनवरी 2024 को शाम 5 बजे लघु वनोपज से समृद्धि थीम पर आधारित वन मेले का शुभारंभ करेंगे। वन मंत्री श्री नागर सिंह चौहान शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। वन राज्य मंत्री श्री दिलीप अहिरवार एवं एसीएस श्री जे.एन. कंसोटिया, प्रशासक मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज संघ विशिष्ट अतिथि होंगे। मेले में 120 स्टाल होंगे जिसमें मध्यप्रदेश के 19 वनधन केंद्र एवं 55 जिला यूनियन के स्टाल मुख्य रूप से रहेंगे। साथ ही मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ के हर्बल उत्पाद भी प्रदर्शित होंगे। फूड जोन में आगंतुक मध्य प्रदेश के पारंपरिक व्यंजनों के साथ-साथ श्रीअन्न से निर्मित विभिन्न व्यंजनों का भी स्वाद ले सकेंगे। विभिन्न शासकीय विभागों जैसे इको टूरिज्म बोर्ड, बांस मिशन व वन्यप्राणी आदि की गतिविधियों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। मेले में चिकित्सा परामर्श के लिये ओपीडी के 20 स्टाल स्थापित किए जा रहे है। इसमें 40 आयुर्वेदिक वैद्यों एवं चिकित्सकों द्वारा निशुल्क परामर्श प्रदान किया जाएगा। दिनांक 25 जनवरी को श्लघुवनोपज से समृद्धि विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन होगा। विभिन्न विषय प्रमुखों द्वारा आदिवासी संग्रहकर्ताओं और समिति प्रबन्धको को लघु वनोपज से निर्मित उत्पादों के मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण, ब्रांडिंग और विपणन द्वारा जनजातीय उद्यमिता के लिये महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी। क्रेता-विक्रेता सम्मेलन लघु वनोपज संग्राहकों, उत्पादकों एवं वनोपज समितियों कोय जड़ी बूटियों, हर्बल उत्पाद तथा आयुर्वेदिक के व्यवसाय से जुड़े विभिन्न निर्माता, विभिन्न मंडियों के लघु वनोपज के व्यापारियों, उत्पादकर प्रसंस्करण कर्ताओं के प्रतिनिधि के साथ एक मंच पर सीधे वार्तालाप एवं बाजार के अवसरों को खोजने के उद्देश्य से लघु वनोपज संघ के द्वारा दिनांक 27 जनवरी को क्रेता-विक्रेता सम्मलेन होगा।

मर्यादा पुरुषोत्तम राम पर आधारित व्याख्यान आयोजित

भोपाल। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा 'चार लफ्जों में कहे क्यूँ कर फसाना राम का' के अंतर्गत उर्दू शेर-ओ-अदब में मर्यादा पुरुषोत्तम राम पर आधारित व्याख्यान, महफिले कव्वाली एवं काव्यांजलि कार्यक्रम दिनांक 19 जनवरी, 2024 शाम : 5.00 बजे से जनजातीय संग्रहालय, श्यामला हिल्स, भोपाल में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में अतिथियों के स्वागत पश्चात उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राम के व्यक्तित्व का, उनकी महानता का हर भाषा के साहित्य में उल्लेख किया गया है। अनेक भाषाओं में रामकथा को बयान किया गया है और आने वाली पीढ़ियों के लिए राम की कहानी से प्रेरणा लेने की बात कही गई है। लखनऊ के मिर्जा हसन नासिर, अब्दुल रशीद खान, नसीर बनारसी दीन और यदि पहले चले जाएं तो फरीद, रसखान, रहीम, आलम रसलीन, हमीनुद्दीन नागोरी ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती, नजीर अकबराबादी आदि ने राम के चरित्र को अपने काव्य में आदर्श मानते हुए उनपर बहुत से काव्य लिखा है। निश्चित रूप से यह संदेश आम होना चाहिए।

डॉ. नुसरत मेहदी के उद्बोधन के पश्चात भोपाल के युवा कलाकार वेद पंड्या ने पण्डित बृज नारायण चकबस्त द्वारा रचित नज्म 'रामायण का एक सीन' एवं राम पर आधारित अन्य नज्मों की सांगीतिक प्रस्तुति दे कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया

व्याख्यान के तहत डॉ. अब्बास रजा नैयर- लखनऊ ने कहा कि हमारी जो सांझी विरासत है उसने दोनों भाषाओं का विकास किया है तो उर्दू की जड़ें जब हम वहां से तलाश करते हैं तो हमारे यहां कबीर के यहां से ही तुलसी के यहां से ही मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम चंद्र जी का वर्णन शुरू हो जाता है। कम से कम 82 गीता और 132 रामायण उर्दू में मौजूद हैं जिनको हम बहुत जिम्मेदारी से कह सकते हैं अली जव्वाद जैदी ने तो उनकी संख्या तो उनके प्रोजेक्ट में 300 तक बताई है कि उर्दू में 300 रामायण अब तक लिखी जा चुकी हैं और ये सिलसिला अब तक जारी है, शंकर दयाल फरहत, बांके लाल बिहारी, सूरज नारायण मेहर, द्वारका प्रकाश उफुक, नफीस खलीली, बनवारी लाल शोला, शिव प्रसाद, मुन्शी राम सहाय तमन्ना और मेहदी नजमी जैसे बुजुर्गों की रामायण उर्दू में पढ़ी जाती रहीं हैं और आज की सदी में भी उर्दू में रामायण पर और श्री रामचंद्र जी पर शेर कहे जा रहे हैं और रामायण लिखने का और उसका अनुवाद करने का सिलसिला भी जारी है। ये इसलिए कि हम जिस भरत में रहते हैं उसमें 500 ऐसे हिन्दू शायर हैं जिन्होंने नातें लिखी हैं उसी तरह मुस्लिम शायरों ने भजन लिखे हैं तो ये जो हमारी परम्परा है वो हमारी हिन्दू मुस्लिम एकता को और सांझी संस्कृति को बढ़ावा देने में बहुत महत्वपूर्ण होती है और आज भी उर्दू के शायर नजीर अकबराबादी से लेकर नजीर बनारसी तक सबने जो है राम पर नज्में लिखी हैं। अपने वक्तव्य के अंत में उन्होंने रामायण से सम्बंधित अपनी भी कुछ नज्में प्रस्तुत कीं।

डॉ. मेहताब आलम- भोपाल ने अपना वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए कहा कि राम और राम कथाएं मोहब्बत का पाठ पढ़ाती हैं। आपसी भाइचारे का संदेश देती हैं, सच्चाई और ईमानदारी के रास्ते पर चलने की शिक्षा देती हैं। वो लोग जो जमीन पर फसाद फैलाते हैं। इंसानों के बीच भेदभाव करते हैं। इंसानियत पर जुल्म करते हैं, नफरत के बाजार को हवा देते हैं ऐसे लोगों के खिलाफ उठ खड़े होने का सबक राम कथायें देती हैं।

काज़ी मलिक नवेद- भोपाल ने काव्यांजलि प्रस्तुत की। उन्होंने निम्न अशआर पढ़े

लौट कर आए जो बनवास से घर को अपने
सबने यक दम ही कहा आज उजाले हुए राम
उनसे बढ़कर न कोई मर्दे मुजाहिद था नवेद
इसलिए ही तो रघुकुल के जियाले हुए राम

अंत में राम पर आधारित महफिले क़व्वाली में आफताब कादरी एवं साथी-इन्दौर क़व्वाली पेश कर समाँ बांधा। उन्होंने निम्न क़व्वालियां प्रस्तुत कीं

आईना ए खुलूस ओ मोहब्बत यहां थे राम
साँसों की माला पे सिमरूं मैं, पी का नाम,
हमारा राम तो दुनिया में राहत बांटने आया

कार्यक्रम का संचालन समीना अली सिद्दीकी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. नुसरत मेहदी ने सभी श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।

बुन्देलखण्ड अंचल की अपनी जातीय परम्परा का राई नृत्य संभावना गतिविधि में हुआ प्रस्तुति

भोपाल। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में नृत्य, गायन एवं वादन पर केंद्रित गतिविधि 'संभावना' का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 14 जनवरी, 2024 को श्री प्रहलाद कुर्मी एवं साथी, सागर द्वारा बुन्देली राई नृत्य की प्रस्तुति दी गई। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में प्रति रविवार आयोजित होने वाली इस गतिविधि में मध्यप्रदेश के पांच लोकांचलों एवं सात प्रमुख जनजातियों की बहुविध कला परंपराओं की प्रस्तुति के साथ ही देश के अन्य राज्यों के कलारूपों को देखने समझने का अवसर भी जनसामान्य को प्राप्त होगा। गतिविधि में संग्रहालय परिसर में बुन्देली राई नृत्य की प्रस्तुति दी गई। बुन्देलखण्ड अंचल की अपनी जातीय परम्परा मूलतः शौर्य और श्रृंगार परक है। यह अकारण नहीं है कि बुन्देलखण्ड के प्रख्यात लोकनृत्य राई में एक ओर तीव्र शारीरिक चपलता, बेग, अंग, मुद्राएं और समूहन के लयात्मक विन्यास हैं, वहीं दूसरी ओर नृत्य के लास्य का समावेश और लोक कविता के

रूप में उद्दाम श्रृंगार परक अर्थों की नियोजना। उसमें ऊर्जा, शक्ति और लालित्य एकमेक है। इस नृत्य को बुन्देलखण्ड में मंचीय नृत्य की स्थिति मात्र में सीमित नहीं किया गया है। बल्कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चे के जन्म के समय और विवाह के अवसर पर राई नृत्य का आयोजन प्रतिष्ठा मूलक माना जाता है। अनेक बार किसी अभीप्सित कार्य की पूर्ति होने या मनौती होने पर भी राई के आयोजन किये जाते हैं। राई एक जीवन्त कलात्मक हिस्सेदारी की तरह ही है। जीवन का अटूट हिस्सा जिसमें आनंद की स्वच्छंद अभिव्यक्ति मनुष्य की जीवनी शक्ति जैसा प्रकट होता है।

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर सूर्य नमस्कार कराया गया

भोपाल। स्वामी विवेकानंद जी की जयंती, राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर 107 बटालियन द्रुत कार्य बल के प्रशिक्षण प्रांगण में जगदीश प्रसाद बलाई, कमांडेंट 107 बटालियन एवं श्रीमति श्वेता राणा द्वि0कमान अधिकारी-107 बटालियन, द्रुत कार्य बल (RAF) के निर्देशन में योग गुरू महेश अग्रवाल, भोपाल के द्वारा वाहिनी के सभी अधिकारीयों, अधिनस्थ अधिकारीयों, जवानों को योगासन, सूर्य नमस्कार एवं प्राणायाम कराया गया तथा उनके महत्व के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर योग गुरू महेश अग्रवाल, भोपाल एवं कमाण्डेंट महोदय ने उपस्थित अधिकारियों, अधिनस्थ अधिकारियों, जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि योग हमारे जीवन को स्वस्थ रखने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह मानव जीवन के लिए एक उपहार है। अपनी दिनचर्या में योग को जोड़कर अपने स्वास्थ्य में सुधार करना एवं स्वस्थ्य रहना ही हम सबका लक्ष्य होना चाहिए। उक्त अभ्यास में अधिकारियों, जवानों ने हिस्सा लिया एवं योग अभ्यास किया।

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में मना नेशनल यूथ डे

भोपाल। स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर छात्रों के लिए विशिष्ट वैचारिक सत्र का आयोजन किया गया जिसमें इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स ने अपने अनुभवों को साझा करते युवाओं को सफल करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। स्वामी विवेकानंद के जन्मदिवस पर मनाए जाने वाले राष्ट्रीय युवा दिवस के इस कार्यक्रम में बतौर अतिथि एनएसडीसी में जीएम- इंपेक्ट फाइनेंसिंग सोनल गुप्ता, भोपाल मैनेजमेंट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट सुनील भार्गव, मैग्नम ग्रुप में जीएम राजू पांडे, स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. अजय भूषण और कुल सचिव डॉ. सितेश कुमार सिन्हा उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अपने वक्तव्य में सुनील भार्गव ने छात्रों से खुद को पहचानने और रियलाइज करने की बात पर जोर दिया। इसके अलावा उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने अंदर सेल्फ कॉन्फीडेंस विकसित करना चाहिए, यह उनके सफल करियर की जर्नी में सबसे अधिक सहायक होगा। साथ ही उन्होंने समझाइश दी कि जो भी काम करें वह पूरी शिद्दत से करें, काम को बोझ मानकर करने से वह आपके करियर पर नकारात्मक प्रभाव डालेगा। कार्यक्रम में सोनल गुप्ता ने एनएसडीसी द्वारा संचालित किए जा रहे कोर्सेज की जानकारी दी और छात्रों के लिए प्रदान किए जा रहे अवसरों से अवगत कराया। इसके बाद मैग्नम ग्रुप के राजू पांडे ने युवाओं को इंडस्ट्री ट्रेंड्स से परिचित कराते हुए इंटर्नशिप और स्किलिंग के महत्व बताया। साथ ही उन्होंने मैग्नम ग्रुप में ट्रेनिंग के लिए

युवाओं को ऑफर भी प्रदान किया। कार्यक्रम में स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. अजय भूषण ने अपने वक्तव्य में युवाओं के लिए स्किलिंग के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि अपनी डिग्री के साथ छात्रों को इंडस्ट्री की जरूरत के अनुसार विभिन्न सर्टिफिकेशन के जरिए आवश्यक स्किल प्राप्त करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि युवा ही देश का भविष्य है और विश्व में वर्तमान में सबसे अधिक युवा भारत के पास हैं, यह अपने आप में एक बड़ा और अमूल्य संसाधन है। इसके बल पर हम देश को समृद्ध बना सकते हैं, परंतु छात्रों को अपने जिम्मेदारियों को समझते हुए आगे आना होगा।

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. सितेश सिन्हा ने युवाओं को इस कार्यक्रम की सीख को आत्मसात करने की बात कही। उन्होंने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए टीम और सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में इस दौरान एसजीएसयू के फैकल्टी ऑफ इंफार्मेशन एंड टेक्नोलॉजी, फैकल्टी ऑफ एजुकेशन, फैकल्टी ऑफ साइंस और फ्यूचर स्किल्स एकेडमी के द्वारा शुरू किए जा रहे कोर्सेज को लन्च किया गया। साथ ही कार्यक्रम में स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (एसजीएसयू) और रमन ग्रीन्स के बीच एमओयू हस्ताक्षर किए गए जिसके तहत एसजीएसयू का फैकल्टी ऑफ साइंस रमन ग्रीन्स के साथ जुड़कर मिलेट्स प्रोडक्शन एवं अन्य पहलुओं पर सहयोग करेगा। इस मौके पर एसजीएसयू की ओर से रजिस्ट्रार डॉ. सितेश कुमार सिन्हा एवं रमन ग्रीन्स की ओर से डायरेक्टर ए.के. सिंह मौजूद रहे।

जातक कथाएं विश्व की पहली मैनेजमेंट की किताब है

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में आज बुद्ध की जातक कथाओं के माध्यम से मैनेजमेंट (प्रबंधन) को समझने का प्रयास किया गया। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के रिटायर्ड मेटलर्जीकल इंजीनियर डॉ. जसबीर सिंह चावला ने विश्व. विद्यालय के बौद्ध दर्शन के छात्रों को 'जातक अट्ट कथाओं में प्रबंध शास्त्र' के माध्यम से बताया कि तीसरी शताब्दी में बुद्ध घोष ने इस ग्रंथ को लिखा था। इस ग्रंथ के माध्यम से जातक कथाओं की समस्त 547 कथाओं को व्याख्यायित कर दिनचर्या में कैसे मैनेजमेंट किया जा सकता है यह बताया था। यह ग्रंथ पाली भाषा में लिखा गया था जिसका कि 1926 में हिंदी में अनुवाद किया गया था।

व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए सांची विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वैद्यनाथ लाभ ने कहा कि गौतम बुद्ध मानते थे कि चमत्कार से अहंकार का प्रदर्शन होता है और यह अहंकार ही मुक्ति में बाधक होता है और इससे आध्यात्मिक प्रगति रुक जाती है। यहां तक कि अहंकार को उन्होंने अपराध की श्रेणी में सम्मिलित किया था और दूसरों को पीड़ा से मुक्त करना ही बोधिसत्व है। उन्होंने बताया कि जातक कथाएं दरअसल बुद्ध के पूर्व जन्म की कहानियां हैं।

डॉ. जसबीर के अनुसार जातक अट्ट कथाओं में लिखी हर कथा में एक बोधिसत्व के माध्यम से प्रबंधन को स्पष्ट किया गया है। उनका दावा है कि दुनिया की पहली मैनेजमेंट की किताब जातक कथाएं हैं। डॉ. जसबीर सिंह ने बताया कि कैसे बुद्ध ने जैतवन विहार में भिक्षुओं को चमत्कार दिखाए जाने से वर्जित कर दिया था। इसके बाद जब उन्हें चुनौतियां दी गई तो एक आम को जमीन पर गड़वा दिया जिससे की तत्काल ही 50 फीट ऊंचा बड़ा होकर उसमे फल लगने लगे।

प्रो. लाभ ने कहा कि सांची विश्वविद्यालय जातक कथाओं के माध्यम से मिलने

वाले मैनेजमेंट के पाठ को एप्लाइड बौद्धिजम के पाठ्यक्रम को डिजाइन कर उसमें सम्मिलित करेगा।

विश्वविद्यालय के डीन प्रो. नवीन कुमार मेहता ने कहा कि बुद्ध को समझने के लिए जातक कथाओं को समझना जरूरी है और जातक कथाओं को समझने के लिए बुद्ध को। उन्होंने कहा कि जातक कथाओं की सभी 547 कहानियों में जीवन का सार है।

जेसी मिल श्रमिकों के स्वत्वों का समाधान इंदौर के हुकुमचंद मिल की तर्ज पर होगा

ग्वालियर । जेसी मिल श्रमिकों के स्वत्वों संबंधी समस्याओं का समाधान इंदौर के हुकुमचंद मिल की तर्ज पर होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा गत 4 जनवरी को ग्वालियर प्रवास के दौरान इस संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में जेसी मिल के श्रमिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। इस कड़ी में भोपाल से आए अधिकारियों के दल ने जेसी मिल क्षेत्र का भ्रमण कर वस्तुस्थिति जानी और निराकरण की रूपरेखा को आगे बढ़ाया। साथ ही कलेक्टर श्री अक्षय कुमार सिंह की मौजूदगी में जेसी मिल श्रमिक यूनियन के प्रति. निधियों के साथ बैठक कर श्रमिकों के स्वत्वों से संबंधित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल के अपर आयुक्त श्री शैलेन्द्र वर्मा के नेतृत्व में भोपाल से आए दल में इंदौर के हुकुमचंद मिल प्रकरण की सीए फर्म मैसर्स मुच्छल एण्ड गुप्ता के प्रतिनिधि श्री संतोष मुच्छल व श्री नटराज दोशरे व भारतीय स्टेट बैंक भोपाल के एजीएम व मैनेजर सहित अन्य पदाधिकारी शामिल थे। भोपाल से आए दल के साथ हुई बैठक में जानकारी दी गई कि जेसी मिल श्रमिकों की देनदारी लगभग 80 करोड़ रूपए एवं बैंकों का लोन मिलाकर लगभग 180 करोड़ रूपए की जरूरत स्वत्वों के निराकरण की योजना को मूर्तरूप देने में होगी।

बैठक में कलेक्टर श्री अक्षय कुमार सिंह ने जेसी मिल की समस्त भूमि का जल्द से जल्द सर्वे करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि जेसी मिल क्षेत्र में स्थित प्रत्येक आवास व अन्य परिसम्पत्तियों को सर्वे में शामिल करें। साथ ही सर्वे के साथ-साथ संबंधित पटवारी से खसरा व अक्स लेकर स्पष्ट नजरी नक्शा भी तैयार करें। उन्होंने अनुविभागीय राजस्व अधिकारी लश्कर को समस्त देनदारी एवं जेसी मिल की परिसम्पत्ति डिटेल का खसरेवार प्रजेण्टेशन तैयार करने के निर्देश भी दिए हैं। बैठक में स्पष्ट किया गया कि निराकरण की कार्ययोजना में उच्च न्यायालय के निर्देशों का अनिवार्यतः पालन किया जाए।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि राज्य शासन जेसी मिल श्रमिकों के स्वत्वों को लेकर गंभीर है। इसलिए इस काम में जरा भी लापरवाही व ढ़िलाई न हो। उन्होंने तत्परता के साथ निराकरण की कार्ययोजना को अंतिम रूप देने के निर्देश बैठक में दिए।

सम्पादकीय

राम हमारे आराध्य हैं, आराध्य रहेंगे

यतीन्द्र अत्रे

22 जनवरी 2024 के वे 84 सेकंड जब अयोध्या में रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा हुई, पूरा ब्रह्मांड जयकारों से गूंज उठा। निश्चित रूप से यह क्षण स्वर्णाक्षरों में लिखे जाने योग्य होगा। विद्वानों के अनुसार रामलला के मनमोहक स्वरूप में परमात्मा का वास हो गया है। भाग्यशाली होंगे वे सभी लोग जिन्होंने भगवान श्री राम के बालरूप के प्रत्यक्ष दर्शन किए, इसके अतिरिक्त देश दुनिया से टीवी चैनल और दूसरे माध्यमों से देख रहे लाखों दर्शक भी इस छवि को अपलक निहारते रहे।

आज भारत के इन्हीं असंख्य लोगों ने विश्व को आभास करा दिया है कि राम हमारे आराध्य हैं और आराध्य रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कहा है कि - 'राम आग नहीं ऊर्जा है, राम विवाद नहीं समाधान है'। उन्होंने भारत की न्यायपालिका का आभार भी व्यक्त किया, वहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघ संचालक श्री मोहन भागवत ने कहा कि - अनेक पीढ़ियों ने बलिदान देकर यह आनंद का दिन राष्ट्र को उपलब्ध कराया है। साधुवाद के पात्र है वे लोग जिन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुरोध पर अपने-अपने क्षेत्र को अयोध्या बनाने का प्रयास किया। असंख्य दीप जले, तो शोभा यात्राएं, ध्वज यात्राएं निकाली गई, मंदिरों में सुंदरकांड, हनुमान चालीसा के पाठ हुए वहीं घरों में दीपावली जैसा आनंद दिखाई दिया। ऐसा चित्रण आखिर क्यों ना हो क्योंकि प्रभु श्री राम भारतवासियों के रज- रज में आज भी बसे हैं। स्नान, ध्यान हो या पूजन का समय हो, घर-घर में प्रभु श्री राम का जाप किया जाता है। देश के अनेक नगरों में जब आपस में मेल मिलाप होता है तब अभिवादन स्वरूप श्रीराम का नाम लिए जाने की परंपरा आज भी विराजमान है। घर में कोई शुभ कार्य हो तब कहा जाता है कि प्रभु श्रीराम की कृपा है और जब कोई अशुभ घटना होती है तो उस समय कहते हैं- राम राम... क्या हो गया। यानी कि जब कोई उम्मीद ना हो तब भी हम राम का नाम लेकर सकारात्मक की ओर अपने कदम बढ़ा सकते हैं। विद्वानों के मत से यदि कोई व्यक्ति राम नाम का उच्चारण अपने कंठ से करता है तब उसके कंठ के अतिरिक्त पूरे शरीर में एक कंपन की अनुभूति होती है, राम शब्द एक योग भी है जिसके उच्चारण मात्र से शरीर में उत्पन्न व्याधियों का उपचार भी संभव है। रामधुनी तो यहां तक कहते हैं कि राम-नाम जप कर भवसागर को पार किया जा सकता है।

बोलो जय श्रीराम

मो. : 9425004536

जप लो राम नाम

नरेन्द्र सिंह राजपूत

राम हैं, मेरे राम, तेरे राम, अपने राम, अपनों के राम, सपनों के राम, राम हमारे, राम हम सबके राम, कण-कण में राम, मन के राम, मन में राम, हर मन राम, दिलों में राम, आंखों में राम, सांसों में राम, पूरे अस्तित्व में राम, दुख में राम, सुख में राम, सुनने में राम, सुनाने में राम, देखने में राम, दिखाने में राम, भाव में राम, भावनाओं में राम, आस्था के राम, भरोसे के राम, विश्वास के राम, राम हैं आकार, निराकार, साकार, हर जीव, जंतु, पेड़, पौधे, फल, फूल, पत्थर, अन्न, जल, जमीन, पहाड़ों में, हवाओं में, आकाश में, सब कुछ राम में ही तो है। मानो तो राम, ना मानो तो राम, राम सर्वोत्तम हैं। इस विश्व के मंच पर वे लीला करते, करवाते रहते हैं। सनातन धर्म की यह सत्य कथा श्री राम की है। में, तुम, हम सब पूरी दुनिया इस लीला के पात्र हैं। राम महानायक हैं। राम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। तभी तो हम सब के हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम सुरों के साथ-साथ असुरों के भी प्रिय हैं। तभी तो त्रेता युग में रावण ने अपना तारण करवाया था। सनातन धर्म का एकमात्र, एक ही धर्म है, जो आदि से अनंत तक है। यह ब्रह्म सत्य है इस पूरी दुनिया का। हमारे मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जी की लीला की सत्य कथा आज भी निरंतर जारी है। ब्रह्म रचित रंगमंच के उस त्रेता युग में रामजी ने अयोध्या में रहकर कर्तव्य धर्म पूरा किया।

(शेष भाग पेज 6 पर)

देश के स्वाभिमान की पुनर्स्थापना है श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

डॉ. मोहन यादव

सौभाग्य का पावन अवसर है। सैकड़ों वर्षों बाद यह शुभ घड़ी आई है...अयोध्या में अपने जन्मस्थान पर रामलला विराजमान हो रहे हैं। पूरे संसार के सनातनी हर्षित, आनंदित और प्रफुल्लित हैं। समूचे विश्व में जयश्रीराम गुंजायमान है। हम सभीसौभाग्यशाली हैं कि हमें यह सुखद दृश्यदेखने का अवसर मिला है।श्रीरामजी की गरिमा के अनुरूप मंदिर निर्माण के लिये पीढ़ियों ने पांच सौ वर्ष तक संघर्ष किया इसमें अनगिनत बलिदान हुए।

राम मंदिर हमारी सस्कृति, हमारी आस्था, राष्ट्रीयत्व और सामूहिक शक्ति का प्रतीक है। यह सनातन समाज के संकल्प, संघर्ष और जिजीविषा का ही परिणाम है कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में श्रीराम मंदिर निर्माण का सपना साकार हो रहा है। यह उमंग और उत्सव का अवसर है, समूचा समाजउल्लास के साथ खुशियां मना रहा है।

राजा राम प्रत्येक भारतीय और विश्व में व्याप्त सनात. नियों के आदर्श हैं। वे सत्यनिष्ठा के प्रतीक, सदाचरण और आदर्श पुरुष के साकार रूप मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। श्रीराम जन्मस्थान मंदिर निर्माण के हर्षोल्लास के साथ हमें भगवान राम के जीवन से प्रेरणा भी लेनी चाहिए।कर्तव्यपथ पर प्रतिबद्ध श्रीराम के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता है कि वे सबके थे और सबको साथ लेकर चलते थे। सबका विश्वास अर्जित करने के लिये अपने सुखों का भी त्याग कर देते थे। वे जितने वीर थे, मेधावी थे उतने ही सहनशील भी। उन्होंने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया और विपरीत परिस्थिति कभी उन्हें विचलित नहीं कर सकती थीं।

प्रजावत्सल राजा राम के लिये न्याय और राजधर्म सर्वोपरि था। इन्हींअद्भुत विशिष्टताओं के कारण श्रीराम को आदर्श राजा कहा जाता है। उनकी राज व्यवस्था में न कोई छोटा था न कोई बड़ा था,सभी समान सम्मान के अधिकारी थे। सबको उनकी योग्यता, क्षमता और मेधा के अनुसार काम के अवसर प्राप्त थे। भेदभाव रहित समाज व्यवस्था के लिए रामराज्य का उदाहरण दिया जाता है।

रामराज्य में प्रजा की सुखद स्थिति का रामचरित मानस के उत्तरकांड में उल्लेख है-'दैहिक दैविक भौतिक तापा,राम राज नहिं काहुहि ब्यापा।' अर्थात् रामराज्य मेंशासन व्यवस्था इतनी आदर्श थी कि प्रजा समृद्ध, रोग रहित और आपदा रहित थी।

राष्ट्र के सांस्कृतिक एकत्व के लिए श्रीराम जी ने उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक पूरे भारत को एक सूत्र में पिरोया। वे अपना वनवासकाल पूर्ण करके लंका से सीधे अयोध्या नहीं आये। वे उन सभी स्थानों पर गये जो उनका वन गमन मार्ग था। लौटते समय निषाद, किरात, केवट और वनवासी समाज के सभी प्रमुख बंधुओं को अपने साथ लाये थे। अपने राजकाल में श्रीरामजी ने एक-एक व्यक्ति का विश्वास अर्जित किया और उन्हें संगठित किया। उनका पूरा जीवन राष्ट्र और समाज के लिये समर्पित रहा।हमें ऐसेही राष्ट्र का निर्माण करना है।

लगभगपांच सौ वर्षों की दीर्घ प्रतीक्षा और धैर्य के बाद रामलला पूर्व प्रतिष्ठा के साथ अयोध्या आ रहे हैं। यह प्रगति और परंपरा का उत्सव है। इसमें विकास की भव्यता और विरासत की दिव्यता है। यही भव्यता और दिव्यता हमें प्रगति पथ पर आगे ले जाएगी। माननीय प्रधानमंत्री जी के संकल्प के साथ समाज के संघर्ष और आत्मशक्ति का परिणाम है कि आज रामलला विराजमान हो रहे हैं।प्रधानमंत्री जी ने देशवा. सियों से आग्रह किया है कि 'जब अयोध्या में प्रभु राम विराजमान हों, तब हर घर में श्रीराम ज्योति जलाएं, दीपावली मनाएं।' रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा अवसर परहमने प्रदेश के शहरों और ग्रामों में रोशनी और दीप जलाने की तैयारी की है। प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में श्रीराम कथा सप्ताह मनाया जा रहा है।

माननीय प्रधानमंत्री जी ने भव्य राम मंदिर निर्माण के निमित्त एक सप्ताह तक देश के सभी मंदिरों तथा तीर्थ स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाने का आह्वान किया है। हमने मध्यप्रदेश में स्वच्छता से स्वास्थ्य और स्वास्थ्य से समृद्धि के लिए सभी तीर्थ स्थलों, मंदिरों तथा नदियों में स्वच्छता अभियान चलाया है। प्रभु श्रीराम ने वनवासकाल के लगभग 11 वर्ष चित्रकूट में व्यतीत किये हैं। हमने तीर्थ स्थल चित्रकूट सहित रामवन पथ गमन मार्ग के 1450 किलोमीटर के 23 प्रमुख धार्मिक स्थलों का विकास करने का निर्णय लिया है। इसमें अधोसंरचना विकास के कार्यों के साथ-साथ धार्मिक चेतना, आध्यात्मिक विकास और राम कथा से जुड़े आयामों को भी शामिल किया जाएगा।भगवान कामतानाथ के परिक्रमा पथ का निर्माण कार्य भी शीघ्रप्रारंभ होगा।

अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का यह ऐतिहा. सिक क्षणहम सभी के लिये प्रेरणा का अवसर है। भारतके सांस्कृतिक वैभव और समृद्धिके इस पावनकाल में यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने देश को आत्मनिर्भर और सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया है, हम इस संकल्प की सिद्धि के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारत को यदि सशक्त औरविकसित राष्ट्रों की पंक्ति में अग्रणी बनाना है, तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा किसमाज संगठित रहे, समरस रहे, एकजुट रहे और प्रत्येक व्यक्ति आत्मनिर्भर बने। यदि भारत राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाना है, तो पूरे समाज को आत्मनिर्भर बनना होगा, तभी रामराज्य की कल्पना सार्थक हो सकेगी।

आज रामलला अपने जन्म स्थल पर विराजमान हो रहे हैं इस सुमंगल अवसर पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई...।

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

साभार - mpinfo.org

'काव्य दीर्घा'

संदीप सृजन

सम्पर्क : 99 व्ही डी मार्केट बुधवारिया चौक, उज्जैन
मो.: 9406649733

राम राम कहते रहो

राम नहीं है कल्पना, राम जगत आलोक।
राम नाम के जाप से, दूर रहे भय शोक ॥
राम शब्द छोटा मगर, भरा भाव विस्तार।
राम जीवन की सुचिता. राम श्रेष्ठ व्यवहार ॥
राम जगत में उर्ध्व हैं, राम सकल उत्कर्ष।
राम हृदय जिसके रहे, मिटे सभी संघर्ष।
राम कविता में बसते, राम मयी हर छंद।
राम कहानी में रहे, राम हरेक निबंध।
राम ही सद् गृहस्थ है, राम रूप वैराग्य।
राम रघुकुल भाग्य है, शबरी के सौभाग्य ॥
राम नहीं व्याकुल हुए, सहज रहे हर भाव।
राम नहीं चिंता करे, धूप मिले या छाँव ॥
राम राम कहते रहो, राम जीव आधार।
राम नहीं जो घट रहे, पंहुचे मरघट द्वार ॥

अपर मुख्य सचिव ने जिले के विकास के लिए जनप्रतिनिधियों से लिए सुझाव

ग्वालियर । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सामाजिक न्याय व दिव्यांगजन कल्याण एवं उद्यानिकी व खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह और ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की मौजूदगी में आयोजित हुई बैठक में अपर मुख्य सचिव एवं ग्वालियर संभाग के प्रभारी सचिव श्री के सी गुप्ता ने जनप्रतिनिधियों से जिले के विकास के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव लिए। अपर मुख्य सचिव श्री गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि जिले के विकास के लिए सभी के साझा प्रयास जरूरी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसी उद्देश्य से आप सबके सुझाव मांगे हैं।

शुक्रवार को कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में हुई बैठक में महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार, विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, श्री सुरेश राजे व श्री साहब सिंह गुर्जर, बीज एवं फर्म विकास निगम के अध्यक्ष श्री मुन्नालाल गोयल व सांसद प्रतिनिधि श्री रामेश्वर भदौरिया सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, संभागीय आयुक्त श्री दीपक सिंह, डीआईजी सुश्री ष्णावेणी देशावतु, कलेक्टर श्री अक्षय कुमार सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश चंदेल, नगर निगम आयुक्त श्री हर्ष सिंह, स्मार्ट सिटी की सीईओ श्रीमती नीतू माथुर, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरूण कुमार व जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

अपर मुख्य सचिव श्री के सी गुप्ता ने कहा कि बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए हैं। इन सुझावों के संबंध में जिला कलेक्टर संबंधित विभागों को तत्परता से पत्र के माध्यम से प्रस्ताव प्रेषित करें, ताकि प्रदेश स्तर पर इसकी मॉनीटरिंग की जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि बैठक में जो सुझाव आए हैं उनमें जिनका निराकरण जिला स्तर पर किया जाना है, उसको प्राथमिकता से किया जाए। शासन स्तर के प्रस्तावों को शासन स्तर से स्वीकृति एवं बजट की उपलब्धता हो, इसकी मॉनीटरिंग शासन स्तर पर की जायेगी।

सामाजिक न्याय व दिव्यांगजन कल्याण एवं उद्यानिकी व खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने सुझाव दिया कि शहर तथा ग्रामीण क्षेत्र में निराश्रित मवेशियों के प्रबंधन के लिये सुनियोजित कार्ययोजना बनाई जाए। इसके साथ ही लाल टिपारा

गौशाला ग्वालियर की तर्ज पर जिले में अन्य बड़ी गौशालाओं की स्थापना हो, इसके भी सार्थक प्रयास किए जाएँ। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि गौशालाओं के संच. ालन में आम नागरिकों एवं समाज सेवियों को भी सहभागी बनाया जाए। शहर में यातायात प्रबंधन के लिये भी सभी विभागों के समन्वित प्रयासों से पुख्ता कार्ययोजना बनाकर कार्य करने की बात भी उन्होंने कही। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि शहर में स्वच्छता के लिये इंदौर की तर्ज पर और बेहतर प्रयास करने की आवश्यकता है। इसके लिये नगर निगम के माध्यम से कार्ययोजना तैयार कर शासन स्तर से मेनपावर एवं जो भी मशीनरी की आवश्यकता है, उसका प्रस्ताव भेजा जाए। उन्होंने शहर की स्ट्रीट लाईट संधारण के लिये भी विशेष प्रयास करने की बात कही। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बैठक में कहा कि ग्वालियर नगर पहले उद्योग नगरी के रूप में जाना जाता था। वर्तमान समय में उस औद्योगिक वैभव को फिर से कायम करने के लिये शासन स्तर से ठोस प्रयास किए जाना चाहिए। ग्वालियर जिले के पर्यटन क्षेत्रों को और व्यवस्थित करने तथा वहाँ पर पर्यटन स्थल तक पहुँच मार्गों को बेहतर करने की दिशा में भी कार्य करने की जरूरत उन्होंने बताई।

महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार ने कहा कि शासन स्तर से नगर निगम को मिलने वाला अनुदान समय पर मिले ताकि शहर विकास के कामों को तेजी के साथ किया जा सके। चुंगी क्षतिपूर्ति एवं अन्य जो धनराशि शासन स्तर से निगम को मिलती है वह नियमित रूप से समय पर मिले ताकि नगरीय निकाय बेहतर ढंग से अपने कार्यों को अंजाम दे सके।

विधायक डॉ. सतीश सिक. रवार ने एयरपोर्ट से सात नम्बर चौराहे तक सड़क निर्माण के लिये तैयार किए गए प्रस्ताव को मंजूरी एवं धनराशि उपलब्ध कराए जाने का सुझाव दिया। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि शासन स्तर से अधोसंरचना विकास के लिये धनराशि जिले को मिले ताकि ग्वालियर का तेजी से विकास हो सके। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि शहर के सभी उद्यान, श्मशान एवं कब्रिस्तानों के विकास के लिये भी कार्ययोजना तैयार की जाकर कार्रवाई की जाए।

विधायक श्री सुरेश राजे ने कहा कि मजरे-टोलों में शासन स्तर से अटल ज्योति योजना के माध्यम से छोटे-छोटे मजरे-टोलों को भी योजना का लाभ मिले। इसके प्रयास किए जाना चाहिए। विधायक श्री साहब सिंह गुर्जर ने कहा कि भदावना धाम को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने की बात कही। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में विकास के कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

राजनैतिक दलों के साथ रोल प्रेक्षक बीएस जामोद की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

देवास । फोटो निर्वाचक नामावली विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के संबंध में निर्वाचन आयोग द्वारा देवास जिले के लिए नियुक्त रोल प्रेक्षक श्री बीएस जामोद की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ कलेक्टर कार्यालय में बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रियंका मिमरोट, एसडीएम देवास श्री बिहारी सिंह, मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि एवं निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी- कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक में रोल प्रेक्षक श्री जामोद फोटो निर्वाचक नामावली विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के संबंध में देवास जिले में की जा रही कार्यवाहियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि फोटो निर्वाचक नामावली विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण में एक भी पात्र मतदाता का नाम छूटना नहीं चाहिए। युवा मतदाताओं का नाम जोड़ने के लिए 20 और 21 जनवरी को हायर सेकण्ड्री स्कूल और कॉलेजो में विशेष कैम्प लगाये। राजनीतिक दल भी बीएलए के माध्यम से मतदाताओं का नाम जोडने के लिए अपने स्तर से प्रयास करें। राज. नितिक दलों से सुझाव भी लिये गये। राजनीतिक दलों ने शत प्रतिशत मतदान केन्द्रों पर वेब कास्टिंग का सुझाव भी दिया।

बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मिमरोट कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। फोटो निर्वाचक नामावली 2024 की प्रारंभिक गतिविधियां सुचारू रूप से जारी है। मतदाता सूची में नाम जोडने, हटाने और संशोधन के लिए आवेदन लिये जा रहे है। जिले में जेंडर रेशो में भी सुधार हुआ है।

बैठक में बताया गया कि फोटो निर्वाचक नामावली के प्रारूप का प्रकाशन शनिवार 06 जनवरी को किया गया है। इसके बाद 22 जनवरी तक मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन और नाम हटाने के लिए आवेदन लिए जा रहे है। दावे आपत्तियों का निराकरण 02 फरवरी को किया जायेगा। फोटो निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 08 फरवरी को किया जाएगा।

फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 अंतर्गत जिन युवाओं की उम्र 1 जनवरी 2024 को 18 वर्ष की पूर्ण हो रही है, वे युवा मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके साथ ही जो युवा 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर को 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे हैं, वे भी मतदाता सूची में नाम जुडवाने के लिए अग्रिम रूप से आवेदन कर सकते हैं।

बैठक में बताया गया कि जिले के नागरिक नामावली में नाम जोडने के लिए फार्म 06, नाम हटाने के लिए फार्म 07 और मतदाता विवरण में संशोधन के लिए फार्म 08 भर सकते है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन की सुविधा प्रदान की गई है। ऑनलाइन आवेदन helpline app और voters.eci.gov.in इन के माध्यम से किया जा सकता है। ऑफलाइन के लिए बीएलओ से संपर्क किया जा सकता है। बैठक में बताया गया कि जिले में कुल 12 लाख 13 हजार 112 मतदाता है। जिसमें 06 लाख 19 हजार 415 पुरूष, 05 लाख 93 हजार 684 महिला और 13 अन्य मतदाता है। सोनकच्छ विधानसभा क्षेत्र में 02 लाख 33 हजार 667 मतदाता है। जिसमें 01 लाख 20 हजार 161 पुरूष, 01 लाख 13 हजार 505 महिला मतदाता और 01 अन्य मतदाता है। देवास विधानसभा क्षेत्र में 02 लाख 81 हजार 890 मतदाता है। जिसमें 01 लाख 42 हजार 309 पुरूष, 01 लाख 39 हजार 576 महिला और 05 अन्य मतदाता है। हाटपीपल्या विधानसभा क्षेत्र में 02 लाख 07 हजार 644 मतदाता है। जिसमें 01 लाख 05 हजार 636 पुरूष, 01 लाख 02 हजार 006 महिला और 02 अन्य मतदाता है। खातेगांव विधानसभा क्षेत्र में 02 लाख 35 हजार 753 मतदाता है। जिसमें 01 लाख 21 हजार 305 पुरूष, 01 लाख 14 हजार 447 महिला और 01 अन्य मतदाता है। बागली विधानसभा क्षेत्र में 02 लाख 54 हजार 158 मतदाता है। जिसमें 01 लाख 30 हजार 004 पुरूष, 01 लाख 24 हजार 150 महिला और 04 अन्य मतदाता है।

मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने सांवेर नगर परिषद में किया भूमिपूजन

इन्दौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज सांवेर को नई सौगात देते हुए नगर परिषद में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। उक्त विकास कार्यों की कुल लागत 3 करोड़ 72 लाख रुपए है। मंत्री श्री सिलावट ने एक करोड़ 24 लाख 71 हजार रुपए की लागत से बन रहे नगर परिषद के नए भवन का भूमिपूजन, सीसी रोड़, नाली निर्माण, सौंदर्यकरण पेवर ब्लॉक जिसके भूमिपूजन छः चयनित स्थान पर किया। साथ ही 37 लाख 50 हजार रुपए की लागत के 5 आंगनवाड़ी केंद्रों का लोकार्पण भी किया गया। स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत नगर परिषद् सांवेर को घर-घर कचरा संग्रहण हेतु 37 लाख 50 हजार रुपए की लागत की पांच कचरा वाहन की सौगात दी गई।

विकसित भारत संकल्प यात्रा अंतर्गत सांवेर में स्व. माधवराव सिंधिया उद्यान में शिविर का आयोजन किया गया, जिसमे मंत्री श्री सिलावट के मुख्य आतिथ्य एवं नगर परिषद अध्यक्ष श्री संदीप चंगेड़िया की विशेष उपस्थिति में केन्द्र शासन के द्वारा संचालित योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरण तथा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक सम्मिलित हुए तथा शिविर में आयोजित कैम्प में प्रधानमंत्री

स्वनिधि, राष्ट्रीय शहरी आजी. विका मिशन, पेंशन/समग्र, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आधार केन्द्र, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना तथा बैंकिंग संबंधी कई योजनाओं का लाभ प्राप्त किया। केन्द्र शासन से संचालित योजना प्रधानमंत्री आवास, प्रधानमंत्री स्वनिधि तथा आयुष्मान कार्ड से लाभ प्राप्त कर चुके हितग्राहियों के द्वारा 'मेरी कहानी मेरी जुबानी' साझा की गई। कार्यक्रम में बच्चों के द्वारा स्वच्छता अभियान अंतर्गत प्रस्तुति भी दी गई।

मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट के द्वारा सभी को विकसित भारत का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर श्री भारतसिंह चौहान, श्री दिलीप चौधरी, श्री अंतर दयाल, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री सतीश मालवीय, सांसद प्रति. निधि श्री पवन डाबी, उपाध्यक्ष श्री जीतू राज राठौर, पार्षद श्री रायसिंह डाबी, श्री पप्पू भावसार, श्री घनश्याम शर्मा, श्री इंद्रेश चावड़ा, श्री जयदीप राय कानूनगो, श्री दशरथ गौड़, श्री राजेंद्र वर्मा, श्री अमित लोबनिया सहित सभी विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना से शिवा के हृदय की हुई निःशुल्क सर्जरी

खण्डवा। खंडवा जिले के विकासखंड हरसूद की राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम के चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंसारी एवं डॉ. खुर्शीदा पठान द्वारा हमेशा कि तरह अपनी कार्य योजना अनुसार आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए भ्रमण के दौरान वार्ड नंबर 8 आंगनवाड़ी केंद्र में टीकाकरण सत्र के समय बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया था। स्वास्थ्य परीक्षण के समय टीम के आरबीएसके चिकित्सक दल को शिवा पिता

मोहन नामक 8 वर्ष का बालक गंभीर सांस की तकलीफ एवं वजन न बढ़ने की समस्या से ग्रसित मिला। चिकित्सकों द्वारा शिवा का गहन परीक्षण किया गया, जिसमें चिकित्सकों को शंका हुई के कहीं ना कहीं शिवा के दिल में कोई ना कोई समस्या अवश्य है। जब यह बात माता पिता को बताई गई तो वह बड़े उदास हो गए। चिकित्सकों ने पालकों का मनोबल बढ़ाया और उन्हें आश्वासन दिलाया गया कि आप चिंता ना करें, शासकीय स्तर से इस बालक की समस्त जांच व उपचार मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना अंतर्गत निःशुल्क कराया जायेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत के मार्गदर्शन में इंदौर के अरविंदो हॉस्पिटल में शिवा की ईको जांच करवाई गई, जिसमें दिल में सुराख होने की पुष्टि हुई। इसके बाद आर.बी.एस.के. जिला समन्वयक श्री महेश पवार द्वारा शिवा के ऑपरेशन हेतु मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना अंतर्गत प्राक्कलन तैयार करवाकर 16 जनवरी को श्री अरविंदो हॉस्पिटल, इंदौर में ओपन हार्ट सर्जरी कराई गई, अब शिवा पूर्णतः स्वस्थ है।

शिवा के माता-पिता ने स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ म.प्र. शासन की मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना को साधुवाद दिया है। उन्होंने बताया यह योजना नहीं होती थी तो हम अपने बच्चे का उपचार कराना नामुमकिन था, इस योजना से हमारे बच्चे का प्राइवेट हॉस्पिटल में उपचार इतना अच्छा और निःशुल्क हुआ है।

(पेज 4 का शेष भाग)

जप लो राम नाम

उसके बाद वनवास में रहकर और लंका में जाकर अपना कर्तव्य धर्म पूरा किया और फिर वापस अयोध्या लौटकर अपना कर्तव्य धर्म पूरा किया। त्रेता युग का 14 वर्ष का वनवास, आज वर्तमान युग में यह वनवास 500 वर्ष में बदल गया। 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में राम जी की दिव्य प्रतिमा स्थापित हुई है। आज का अयोध्या पूरे विश्व का गुरुत्वाकेंद्र है। इस मंच पर विश्व रंगमंच पर अयोध्या विश्व के गुरुत्व केंद्र में है। हम भारतवासी विश्व गुरु हैं। पूरी दुनिया वाले, पूरा विश्व सौभाग्यशाली है हमारे इस एक जीवन में यह महान धर्म कर्तव्य का कार्य पूर्ण हुआ है। मेरा तेरा हमारा पूरी दुनिया के लोगों का जीवन सार्थक हुआ है। यह सर्वोच्च सत्य है की सनातन धर्म ही पूरी दुनिया को पूरे विश्व को अपना परिवार के मूल विचार मैं रखे हुए है। इसी से विश्व का कल्याण होगा। आप सभी को ढेर सारी शुभकामनाएं और बधाई

जय जय श्री राम।

श्री राम कथा महोत्सव के प्रथम दिवस निकली भव्य कलश यात्रा

खंडवा। श्रीराम कथा हमें सत्य मार्ग पर चलने की सीख देती है। सत्य की हमेशा जीत होती है। हमें अपने धर्म के प्रति आस्था और विश्वास रखना चाहिए। हम सभी सनातनियों के लिए यह सौभाग्य की बात है कि हमारी आंखों के सामने श्रीराम मंदिर भव्य रूप में स्थापित होने जा रहा है। मैं आप सभी से आव्हान करता हूं कि 22 जनवरी के ऐतिहासिक दिन को हर घर भगवान श्री राम का ध्वज एवं दीप जलाकर दीपावली मनाये। उक्त दिव्य उद्बोधन अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा के भव्य आयोजन के उपलक्ष्य में किशोर नगर श्री हनुमान वाटिका स्थित मनोकामनेश्वर हनुमान मंदिर में किशोर नगर रहवासी संघ के तत्वावधान में नौ दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा प्रारंभ अवसर पर हनुमान कुंज अयोध्या श्रीधाम पधारे कथा व्यास प. पू. सुरेन्द्रदास महाराज शास्त्री ने दिए। संघ अध्यक्ष पं. प्रेमनारायण तिवारी एवं प्रवक्ता निर्मल मंगवानी ने बताया कि कथा के आरंभ दिवस रविवार को प्रातः 11 बजे 108 माता स्वरूप नन्ही मुन्नी बालिकाओं और बड़ी संख्या में मातृशक्ति की मौजूदगी में बैंड की मधुर स्वर लहरियों के मध्य भव्य कलश यात्रा आयोजन स्थल से प्रारंभ होकर शुक्ला नगर, सुभाष नगर, एकता नगर होते हुए पुनः किशोर नगर स्थित कथा स्थल पर संपन्न हुई। कलश यात्रा का क्षेत्र वासियों द्वारा पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। कथा के दौरान सुरेन्द्रदास महाराज शास्त्री जीने अनेक सुंदर मनमोहक भजनों की प्रस्तुतियां दी जिस पर श्रद्धालु जमकर झूमे कथा के दौरान संघ के पं. प्रेमनारायण तिवारी, पं. मनोज उपाध्याय, आरके चौरे, मनोहर चंदानी, परमजीत सिंह नारग, महेश चंदवानी, पं भरत व्यास, राजू चतुर्वेदी, रितेश मिश्रा, आनंद चौरे, श्रीराम कुशवाहा, वैभव अत्रे, सुनील सोमानी, संजय शुक्ला, शिवनारायण लाड, मुकेश बाथम, नीता दीदी, गौरव चौहान, निर्मल मंगवानी, हीरालाल पटेल, प्रदीप तिवारी, देवाशीष साकल्ले, पं. राम उपाध्याय, दिनेश बरोले, भीमसिंह दरबार, आशीष अग्रवाल, दुर्गेश तिवारी, सोहन मालवीय जानकी अग्रवाल, किरन दुबे, माया सरावगी, महिला मंडल की मातृशक्ति, क्षेत्रवासी, संघ सदस्यों आदि सहित बडी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित थें।

वेस्टइंडीज की पारी 188 रनों पर सिमटी, पहले सेशन में गंवा दिए थे 3 विकेट

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज 188 रन पर ही ऑलआउट हो गया। एडिलेड में मुकाबले के पहले दिन टीम तीसरे सेशन में ही सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया से कप्तान पैट कमिंस और जोश हेजलवुड ने 4-4 विकेट लिए।

विंडीज टीम से केमार रोच और शमार जोसेफ ने 10वें विकेट के लिए 55 रन की पार्टनरशिप की। कर्क मैकेंजी ने सबसे ज्यादा 50 रन बनाए। दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने 59 रन के स्कोर पर 2 विकेट गंवा दिए। उस्मान ख्वाजा और कैमरन ग्रीन नॉटआउट लौटे।

पहले सेशन में वेस्टइंडीज ने गंवाए 3 विकेट

एडिलेड ओवल स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी। वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही और टीम ने 14 रन के स्कोर पर ही तेजनारायण चंद्रपाल का विकेट गंवा दिया। वह 6 रन ही बना सके।

चंद्रपॉल के बाद कप्तान क्रैग ब्रैथवेट और एलिक एथनाज भी 13-13 रन बनाकर ही पवेलियन लौट गए। ऑस्ट्रेलिया से कमिंस ने 2 और हेजलवुड ने एक विकेट लिया। पहला सेशन खत्म होने तक टीम ने 64 रन के स्कोर पर 3 विकेट गंवा दिए।

मैकेंजी की फिफ्टी, 100 रन के बाद बिखरी टीम

दूसरे सेशन में कर्क मैकेंजी ने वेस्टइंडीज का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। वह 94 बॉल में 50 रन बनाकर आउट हुए। उनसे पहले केवम हज भी 12 ही रन बनाकर पवेलियन लौट गए थे। मैकेंजी के विकेट के वक्त टीम का स्कोर 107/5 था।

5 विकेट के बाद वेस्टइंडीज ने 26 रन बनाने में ही अगले 4 विकेट गंवा दिए। देखते ही देखते टीम का स्कोर 133 रन पर 9 विकेट हो गया। ऑस्ट्रेलिया से कमिंस और हेजलवुड दोनों को 4-4 विकेट मिले।

आखिरी विकेट के लिए 55 रन की पार्टनरशिप हुई

133 रन पर 9 विकेट गंवाने के बाद केमार रोच और शमार जोसेफ ने वेस्टइंडीज की पारी संभाली। दोनों ने टीम

का स्कोर 150 रन के पार पहुंचाया। दोनों ने दूसरे सेशन का खेल खत्म हो जाने तक बैटिंग की। टी सेशन तक टीम ने 9 विकेट के नुकसान पर 177 रन बनाए।

दूसरा सेशन खत्म होने के बाद टीम 19 बॉल ही बैटिंग कर सकी। 63वें ओवर की पहली बॉल पर जोसेफ को नाथन लायल ने LBW किया और वेस्टइंडीज टीम ऑलआउट हुई। टीम ने 188 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया से मिचेल स्टार्क को भी एक विकेट मिला।

डेब्यू मैच में शमार जोसेफ को 2 विकेट

पहली पारी में 36 रन बनाकर वेस्टइंडीज को 188 रन तक पहुंचाने वाले शमार जोसेफ गेंदबाजी में भी चमके। डेब्यू मैच में शमार ने अपने स्पेल की पहली ही बॉल पर स्टीव स्मिथ को स्लिप में कैच करा दिया। टेस्ट में पहली बार ओपनिंग करने उतरे स्मिथ 12 ही रन बना सके। शमार ने फिर मार्नस लाबुशेन को भी स्क्वेयर लेग बाउंड्री पर कैच आउट कराया। लाबुशेन 10 रन ही बना सके।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक 2 विकेट के नुकसान पर 59 रन बनाए। टीम से उस्मान ख्वाजा (30 रन) और कैमरन ग्रीन (6 रन) नॉटआउट लौटे। दोनों दूसरे दिन के खेल में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी आगे बढ़ाएंगे। खेल भारतीय समयानुसार सुबह 5:00 बजे से शुरू होगा।

स्मिथ पहली बार ओपनिंग करने उतरे

पहले दिन के तीसरे ही सेशन में ऑस्ट्रेलिया की बैटिंग आ गई। पहली पारी में उस्मान ख्वाजा और स्टीव स्मिथ ओपनिंग करने उतरे। स्मिथ ने टेस्ट करियर में पहली बार ओपनिंग की लेकिन वह 12 रन ही बना सके। उनसे पहले डेविड वर्नर कंगारू टीम से ओपनिंग करते थे। वर्नर ने पिछले दिनों खत्म हुई पाकिस्तान सीरीज के बाद वनडे और टेस्ट से संन्यास ले लिया। 2 टेस्ट की सीरीज का पहला मुकाबला एडिलेड में खेला जा रहा है। दूसरा मुक. ाबला 25 जनवरी से ब्रिसबेन में होगा। दोनों टीमों के बीच 3 वनडे और 3 ही टी-20 की सीरीज भी खेली जाएगी।

साभार - bhaskar.com

कटरीना ने कही बड़ी बात :

30 साल तक पहुंचने पर सोच बीस वाली नहीं रहती

कटरीना कैफ हिंदी सिनेमा की उन टॉप एक्ट्रेस में शुमार हैं, जो अपनी शानदार अदाकारी से फिल्मों के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने का हुनर बखूबी जानती हैं। हाल ही में कटरीना सस्पेंस थ्रिलर मैरी क्रिसमस में नजर आई हैं। इस बीच अब एक मीडिया इंटरव्यू में कटरीना ने खुलासा किया है कि वह आने वाले समय में अलग भूमिका और जॉनर की फिल्में करती हुई नज़र आ सकती हैं। आइए जानते हैं कि एक्ट्रेस ने किस ओर इशारा किया है।

इस तरह की भूमिका करने के लिए कटरीना हैं रेडी

अपने फिल्मी करियर के दौरान कटरीना कैफ 'एक था टाइगर, जब तक है जान और सिंह इज किंग' जैसी कई शानदार फिल्मों में काम कर चुकी हैं। अपनी अदाकारी की कला से किसी फिल्म को सफल बनाने टैलेंट रखती हैं। हाल ही ही में कटरीना ने पिंकविला को एक लेटेस्ट इंटरव्यू दिया है। जिसमें उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की आगे की प्लानिंग को लेकर बड़ी बात कही है।

अदाकारा ने बताया है- जब आप 20 साल के होते हैं और 30 साल तक पहुंचने के बाद आपकी सोच 20 वाली नहीं रहती है। एक अनुभव होता है जो आपको बहुत कुछ सिखाता है और बदलाव का जरिया बनता है। ऐसा नहीं है कि मैं फिल्मों में निगेटिव रोल करने के खिलाफ हूं, मैं भी चाहती हूं कि आने वाले वक्त मुझे इस तरह के किरदार अदा करने का अवसर मिले।

सिर्फ इतना ही नहीं मैं बड़े दिल से चाहती हूं कि एक बार मुझे किसी ड्रामा पीरियड फिल्म का हिस्सा बनना है। बतौर कलाकार इस तरह की फिल्में करना एक बड़ी बात होती है। कुल मिलाकर कहा जाए तो कटरीना कैफ फिल्मों में अब खलनायिका की भूमिका में भी नजर आ सकती हैं।

मैरी क्रिसमस में कटरीना कैफ ने छोड़ी छाप

बेशक कमर्शियल तौर पर निर्देशन श्रीराम राघवन की फिल्म मैरी क्रिसमस बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास सफलता हासिल नहीं कर सकी है। लेकिन इस मूवी में कटरीना कैफ की अदाकारी की काफी तारीफ की जा रही है। कई फिल्म क्रिटिक्स और सोशल मीडिया पर तमाम फैंस ने मैरी क्रिसमस में एक्टिंग के मामले में कटरीना की बेस्ट परफॉर्मेंस बताया है।

अदृश्यम में दिखेगा दिव्यांका त्रिपाठी एक्शन अवतार

'बनूं मैं तेरी दुल्हन' से लेकर 'ये है मोहब्बतें' तक जैसे कई सीरियल्स से काम कर घर-घर में अपनी एक अलग पहचान बना चुकी छोटे पर्दे की एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी जल्द एक्शन अवतार में नज़र आने वाली हैं। दिव्यांका की सीरीज 'अदृश्यम' का एलान हो गया है, जिसका प्रोमो हाल ही में जारी किया गया है।

अदृश्यम में दिखेगा दिव्यांका का एक्शन

ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर 'अदृश्यम- द इनविजिबल हीरोज' का प्रोमो शेयर किया है। इस प्रोमो में देखा जा सकता है कि सबसे पहले दिव्यांका अपनी बेटी के साथ मॉल में शॉपिंग करती हुई नजर आ रही हैं। इसके बाद वह एक्शन करते हुए दिखाई देती हैं।

इस प्रोमो को शेयर करते हुए इसके कैप्शन में लिखा है श्हमेशा हमारे आस-पास, लेकिन कभी देखा नहीं, हमारे राष्ट्र के इन गुमनाम रक्षकों से मिलने के लिए तैयार हो जाइए 'अदृश्यम- द इनविजिबल हीरो' के साथ। जल्द ही सोनी लिव पर स्ट्रीमिंग होगी। हालांकि, अभी इसकी रिलीज डेट का एलान नहीं किया गया है।

फैंस हैं काफी एक्साइटेड

इस सीरीज को लेकर दिव्यांका त्रिपाठी और एजाज खान के फैंस काफी एक्साइटेड नज़र आ रहे हैं। कमेंट सेक्शन में फैंस इस सीरीज को लेकर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा 'इस सीरीज का इंतजार है'। एक अन्य यूजर ने लिखा 'मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रही हूं'।

आईबी अधिकारी के जीवन पर आधारित

'अदृश्यम' थ्रिलर सीरीज होने वाली है। 'अदृश्यम' सीरीज का निर्माण बॉम्बे शो स्टूडियो द्वारा किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह सीरीज आईबी अधिकारी के जीवन पर आधारित होगी। ऐसा बताया जा रहा है कि इस सीरीज के 65 एपिसोड हो सकते हैं और इसका निर्देशन सचिन पांडे ने किया है।

साभार - jagran.com

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का अधिकाधिक हितग्राहियों को लाभ दिलवाएं : मंत्री कश्यप

भोपाल। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना अपने आप में एक संपूर्ण योजना है,इसमें हितग्राही को आर्थिक उत्थान के लिए ऋण के साथ ही प्रशिक्षण, क्रेडिट सहायता तथा टूल किट जैसे लाभ भी प्रदान किए जाते हैं। सभी जनप्रति. निधि, सरपंच योजना का लाभ धरातल पर अधिक से अधिक हितग्राहियों को दिलवाकर उनके आर्थिक उत्थान में सहभागी बनें। यह बात सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चौतन्य काश्यप ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना पर रतलाम जिला मुख्यालय पर संपन्न सेमिनार सह जागरूकता कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहीं।

मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि ग्राम पंचायतो के सरपंच व्यक्तिगत रुचि लेते हुए प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का लाभ स्थानीय कारीगरों को ज्यादा से ज्यादा दिलवाएं। इस योजना को अच्छे से समझे और क्रियान्वयन करवाएं। किसी भी योजना को सफलतापूर्वक लागू करने में शासकीय अमले के साथ-जनप्रतिनिधियों, जनता की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। कल्याणकारी शासन का उ8श्य यह है कि सरकार जनता के पास पहुंचे।उन्होंने पंजीयन बढ़ाने के निर्देश दिए। मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को यह एहसास होना चाहिए कि शासन उसके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि कौशल विकास और शिल्पियों, कारीगरों के आर्थिक उत्थान के लिए बनाई गई पीएम विश्वकर्मा योजना एक अभिनव योजना है। इसका क्रियान्वयन भी सहज बनाया गया है। एक बार जिला समिति से अनुमोदन हो जाने के बाद हितग्राही को कहीं चक्कर नहीं लगाने पड़ते हैं।

मंत्री श्री काश्यप ने निर्देश दिए कि पीएम विश्वकर्मा योजना को जिला समिति की बैठकें अधिकाधिक की जाए ताकि ज्यादा से ज्यादा हितग्राही प्रकरणों को समय सीमा में स्वीकृति दी जा सकें। श्री काश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश की संस्कृति से जुड़े कार्यों को हाथ में लिया है। इसी प्रकार प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा भी छोटे कारीगरों शिल्पियों के आर्थिक उत्थान के लिए सशक्त कदम उठाए जा रहे हैं। ग्वालियर व्यापार मेला की तर्ज पर ही मुख्यमंत्री द्वारा आगामी दिनों में उज्जैन में विक्रम उत्सव के नाम से एक बड़ा आयोजन किया जा रहा है जहां छोटे कारीगरों, शिल्पियों को अपने उत्पाद बेचने के लिए एक बड़ा प्लेटफार्म मिलेगा। मंत्री श्री काश्यप ने सरपंच से आग्रह किया कि वे आमजन की बेहतरी के लिए कार्य करें। नौकरी की एक सीमा होती है परंतु पीएम विश्वकर्मा जैसी योजनाओं के माध्यम से हम अधिकाधिक व्यक्तियों को आत्मनिर्भर बना सकते हैं, उनका आर्थिक उत्थान कर सकते हैं।

केंद्रीय सूक्ष्म लघु मध्यम उद्यम विकास कार्यालय इंदौर द्वारा योजना की जानकारी देने तथा ज्यादा से ज्यादा हितग्राहियों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से रतलाम कलेक्टर सभाकक्ष में कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में जिले की ग्राम पंचायतो से आए सरपंच, पंच, अधिकारी,ग्राम सहायक आदि उपस्थित थे।

बीमा कुंज में मना रामलला का प्राण प्रतिष्ठा दिवस, अमरनाथ मंदिर में हुई आतिशबाजी

भोपाल, (दिनेश दवे)। अयोध्या में सोमवार को श्रीरामलला मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर कोलार रोड में दर्जनों स्थानों पर आयोजन किए गए। कोलार हिंदू उत्सव समिति के तत्वाधान में बीमाकुंज में धूमधाम से इस अवसर को मनाया गया। समिति के सचिव रवींद्र यती ने बताया कि सुबह 11 बजे बीमाकुंज स्थित मैदान में विशाल पूजन किया गया। यहां पर देश के नामी बैंड द्वारा भोपाल के इतिहास में पहली बार भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। जिसमें समिति के पदाधिकारी और कोलार वासियों ने इस शुभ अवसर पर जमकर नृत्य किया। यहां पर राजस्थान से आए दो ऊंटों द्वारा भव्य कलाबाजी प्रस्तुत की गई। बाद में भगवान राम जी के चित्र पर मुख्य अतिथि विधायक रामेश्वर शर्मा और महापौर मालती राय ने माल्यार्पण कर भव्य महाआरती की। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण समिति के द्वारा किया गया। यह आयोजन देर शाम तक जारी रहा। शाम को कोलार के करीब 51 मंदिरों में दीपदान कर आरती की गई।

कोलार स्थित अमरनाथ कॉलोनी में भी श्रीरामलला प्राण-प्रतिष्ठा दिवस मनाया।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक वंदना अत्रे द्वारा क्लासिक कम्प्यूटर एण्ड प्रिंटर्स 37, अनेकांत नगर, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित एवं 141, अमरनाथ कॉलोनी सर्वधर्म, कोलार रोड से प्रकाशित। सम्पादक-यतीन्द्र अत्रे, आरएनआई :MPHIN/2019/78271 सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख, चित्रों में व्यक्त रचनाकारों, लेखकों के विचारों से सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। सम्पर्क - 9425004536, 9424410981, 0755-2495707, ई मेल - rangsanskriti@gmail.com